श्री गुरु पाद आश्रय

• पिछले एक साल से प्रतिदिन हरे कृष्ण महा मंत्र का कम से कम 16 माला जाप कर रहे हैं।

• प्रतिदिन श्रील प्रभुपाद की पुस्तकों को अवश्य पढ़ना चाहिए।

• कम से कम पिछले 12 महीनों से इस्कॉन द्वारा अनुमोदित मंदिर/भक्ति वृक्ष/ नाम हट्टा /गुरुकुल आदि के तहत या अनुकूल रूप से सेवा करना।

• पिछले एक साल से श्रील प्रभुपाद द्वारा निर्देशित चार नियामक सिद्धांतों का पालन करना – कोई अवैध यौन संबंध नहीं, जुआ, कॉफी और चाय सहित नशा नहीं, अंडे, प्याज और लहसुन सहित मांस नहीं खाना।

• पिछले एक साल से जल्दी उठने, मंगला आरती, गुरु-पूजा और श्रीमद्भागवतम कक्षा में भाग लेने सहित दैनिक साधना कार्यक्रम के बाद, या तो घर पर या स्थानीय मंदिर में भक्त संपर्क में है। कम से कम पिछले 12 महीनों से इस्कॉन द्वारा अनुमोदित मंदिर/भक्ति वृक्ष/नाम हट्टा/गुरुकुल आदि के तहत या अनुकूल रूप से सेवा करना। पिछले एक साल से भोग (भगवान कृष्ण को अर्पित नहीं किया जाने वाला भोजन) खाने से बचें। इस्कॉन शिष्य पाठ्यक्रम का समापन।

• कृष्णभावनामृत साधनाओं को घर पर लागू करें।

• एकादशी और त्योहार के दिनों में उपवास करें।

आवेदन कैसे करें?

• श्री गुरु पाद आश्रय फॉर्म **डाउनलोड** करें और **प्रिंट** करें – अंग्रेज़ी | हिंदी
• बायोडाटा फॉर्म भरें।
• निम्नलिखित आवश्यकताओं को **आपके तत्काल प्राधिकारी (इस्कॉन उपदेशक/परामर्शदाता) द्वारा पूरा किया जाना चाहिए**:

- लिखित परीक्षा का संचालन और जांच
- मौखिक प्रश्नावली परीक्षण
- उपदेशक/परामर्शदाता सिफारिश पत्र (प्रारूप ऊपर डाउनलोड किए गए फॉर्म पर उल्लिखित है)
- **स्कैन** करें और भरे हुए बायोडाटा, सिफारिश पत्र, पासपोर्ट फोटो को बीएवीएस कार्यालय में **जमा करें**। (ईमेल, व्हाट्सएप या पोस्ट)।
- एक बार जब आप उपरोक्त चरणों को पूरा कर लेते हैं, आपके पास परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज प्रणति प्राप्त न हो तो कृपया अपने तत्काल प्राधिकारी या बीएवीएस कार्यालय से संपर्क करें ।

* **नोट:** जो भक्त पहले से ही परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज द्वारा दीक्षा प्रक्रिया से गुजर चुके हैं; वे लिखित और मौखिक प्रश्नावली परीक्षा को छोड़ सकते हैं।

हरिनाम दीक्षा

- पिछले एक साल से प्रतिदिन हरे कृष्ण महा मंत्र का कम से कम 16 माला जाप कर रहे हैं।
- श्री गुरु पाद आश्रय लेने के कम से कम 6 महीने बाद। (हरिनाम दीक्षा के लिए आवेदन करने से पहले आश्रय लेना आवश्यक है।)
- पिछले एक साल से हर दिन श्रील प्रभुपाद की किताबें पढ़ रहे हैं।
- श्रील प्रभुपाद की निम्नलिखित पुस्तकों को अवश्य पढ़ना चाहिए:
    1. श्रील प्रभुपाद की जीवनी (संक्षिप्त संस्करण)
    2. जीवन का स्रोत जीवन
    3. आत्म-साक्षात्कार का विज्ञान,
    4. राज-विद्या,
    5. पूर्ण प्रश्न और पूर्ण उत्तर,
    6. जन्म और मृत्यु से परे,
- पिछले एक साल से श्रील प्रभुपाद द्वारा निर्देशित चार नियामक सिद्धांतों का पालन करना – कोई अवैध यौन संबंध नहीं, जुआ, कॉफी और चाय सहित नशा नहीं, अंडे, प्याज और लहसुन सहित मांस नहीं खाना।
- पिछले एक साल से जल्दी उठने, मंगला आरती, गुरु-पूजा और श्रीमद्भागवतम कक्षा में भाग लेने सहित दैनिक साधना कार्यक्रम के बाद, या तो घर पर या स्थानीय मंदिर में भक्त संपर्क में है। कम से कम पिछले 12 महीनों से इस्कॉन द्वारा अनुमोदित मंदिर/भक्ति वृक्ष/नाम हट्टा/गुरुकुल आदि के तहत या अनुकूल रूप से सेवा करना। पिछले एक साल से भोग (भगवान कृष्ण को अर्पित नहीं किया जाने वाला भोजन) खाने से बचें। इस्कॉन शिष्य पाठ्यक्रम का समापन।
- कम से कम पिछले 12 महीनों से इस्कॉन द्वारा अनुमोदित मंदिर/भक्ति वृक्ष/ नाम हट्टा /गुरुकुल आदि के तहत या अनुकूल रूप से सेवा करना।
- पिछले एक साल से भोग (भगवान कृष्ण को नहीं चढ़ाया जाने वाला भोजन) खाने से बचें।
- इस्कॉन शिष्य पाठ्यक्रम को पूरा करना।

आवेदन कैसे करें?

हरिनाम दीक्षा फॉर्म **डाउनलोड** करें और **प्रिंट** करें – अंग्रेज़ी | हिंदी
बायोडाटा फॉर्म भरें।
इस्कॉन शिष्य पाठ्यक्रम प्रमाण पत्र।
दीक्षा स्वीकृति शपथ।
दीक्षा निबंध (शिक्षित भक्तों के लिए)।
निम्नलिखित आवश्यकता को आपके तत्काल प्राधिकारी (इस्कॉन उपदेशक/परामर्शदाता) द्वारा पूरा किया जाना चाहिए:

- व्यापक चेकलिस्ट भरें।
- लिखित परीक्षा का संचालन और जांच करें। (अशिक्षित भक्तों के लिए मौखिक परीक्षा)
- निबंध की समीक्षा करें कि उन्हें पसंद के दीक्षा गुरु में विश्वास क्यों हैं।
- उपदेशक/परामर्शदाता सिफारिश पत्र।
- इस्कॉन लेटरहेड पर मंदिर की सिफारिश पत्र।

भरा हुआ बायोडाटा, दोनों सिफारिश पत्र, आईडीसी प्रमाण पत्र, व्यापक चेकलिस्ट, दीक्षा स्वीकृति शपथ, दीक्षा निबंध और पासपोर्ट फोटो, बीएवीएस कार्यालय में जमा करें। (ईमेल, व्हाट्सएप या पोस्ट)। प्रपत्र बायो डेटा

एक बार जब आप उपरोक्त चरणों को पूरा कर लेते हैं, तो कृपया अपने तत्काल प्राधिकारी या बीएवीएस कार्यालय से संपर्क करें ताकि आप परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज प्रणति प्राप्त कर सकें यदि आपके पास यह नहीं है।

* **नोट:** जो भक्त पहले से ही परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज द्वारा दीक्षा प्रक्रिया से गुजर चुके हैं; वे लिखित और मौखिक प्रश्नावली परीक्षा को छोड़ सकते हैं।

ब्राह्मण दीक्षा

• हरिनाम दीक्षा के लिए सभी उल्लिखित बिंदुओं का पालन करना।
• इस्कॉन में कम से कम 12 महीने के लिए हरिनाम दीक्षित ।
• भक्ति शास्त्री पाठ्यक्रम पूर्ण (केवल शिक्षित भक्तों के लिए)
• इस्कॉन शिष्य पाठ्यक्रम पूरा किया (यदि हरिनाम दीक्षा के दौरान नहीं किया गया है)
• भक्त जो नियमित रूप से मंदिर विग्रह सेवा या मंदिर विग्रह रसोई में सीधे लगे हुए हैं।
• श्रील प्रभुपाद की निम्नलिखित पुस्तकों को अवश्य पढ़ना चाहिए:

1. भगवद गीता
2. भक्ति रसामृत
3. उपदेशामृत
4. ईशोपनिषद
5. श्रील प्रभुपाद की जीवनी (संक्षिप्त संस्करण)

आवेदन कैसे करें?

• ब्राह्मण दीक्षा फॉर्म डाउनलोड करें और प्रिंट करें – अंग्रेजी | हिंदी
• बायोडाटा फॉर्म भरें।
• इस्कॉन शिष्य पाठ्यक्रम (आईडीसी) और भक्ति शास्त्री पाठ्यक्रम (बीएससी) प्रमाण पत्र।
• दीक्षा स्वीकृति शपथ।
• दीक्षा निबंध (शिक्षित भक्तों के लिए)।
• निम्नलिखित आवश्यकता को आपके तत्काल प्राधिकारी (इस्कॉन उपदेशक/परामर्शदाता) द्वारा पूरा किया जाना चाहिए:
  - प्रारंभिक योग्यता चेकलिस्ट भरें।
  - लिखित परीक्षा का संचालन और जांच करना। (अशिक्षित भक्तों के लिए मौखिक परीक्षा)
  - उपदेशक/परामर्शदाता सिफारिश पत्र।
  - इस्कॉन लेटरहेड पर मंदिर की सिफारिश पत्र।
• भरे हुए बायोडाटा, दोनों सिफारिश पत्र, आईडीसी और बीएससी प्रमाण पत्र, योग्यता चेकलिस्ट, दीक्षा स्वीकृति शपथ, दीक्षा निबंध और पासपोर्ट फोटो बीएवीएस कार्यालय में जमा करें। (ईमेल, व्हाट्सएप या पोस्ट)।

* **नोट:** जो भक्त पहले से ही परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज द्वारा दीक्षा प्रक्रिया से गुजर चुके हैं; वे लिखित और मौखिक प्रश्नावली परीक्षा को छोड़ सकते हैं।